स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय ललितपुर, उ0प्र0–284403

Autonomous State Medical College, Lalitpur Uttar Pradesh- 284403

Email:agmclalitpur@gmail.com

www.asmclalitpur.org

पत्रांक–ए0एस0एम0सी0/देहदान/प्रमाण–पत्र/2025–26/14-81 दिनांक– 25-10-25

प्रमाण–पत्र

प्रतिष्ठा में, स्व0 सुश्री कुमकुम आर्या आधार संख्या–9708 4802 6217 के मरणोपरान्त दिनांक–16 अक्टूबर 2025 को उनके पारिवारिक सदस्य श्री संजय मिकी निवासी कांशीराम आवास कॉलौनी ललितपुर उत्तर प्रदेश के द्वारा **"शान्ति देहदान चेरिटैबल ट्रस्ट"** के माध्यम से उनका पार्थिव शरीर स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय ललितपुर के एनाटॉमी विभाग को दान कराया गया।

स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय ललितपुर परिवार ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शान्ति की कामना करते हुये देहदान जैसे श्रेष्ठ दान के लिए कृतज्ञता प्रकट करता है।

विभागाध्यक्ष
एनाटॉमी विभाग
स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, ललितपुर।

प्रधानाचार्य
स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय
ललितपुर

PRINCIPAL
...e Medical College
Lalitpur

ललितपुरः पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित करते अतिथिगण।

ख़ामोश विदाई : नर्स कुमकुम आर्या, जो जीवन भर सेवा करती रहीं, मृत्यु के बाद भी दे गईं जीवन का पाठ

- शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट और मेडिकल कॉलिज के संयुक्त तत्वावधान में हुआ देहदान कार्यक्रम

देहदानी नर्स कुमकुम की फाइल फोटो।

ललितपुर ब्यूरो: स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय (मेडिकल कॉलिज) को शुक्रवार को दूसरी बार मानव देह प्राप्त हुई, जिसने चिकित्सा शिक्षा के लिए एक नया अध्याय खोल दिया। यह देह दान करने वाली थीं 54 वर्षीय कुम कुम आर्या, जिन्होंने आजीवन अविवाहित रहकर न केवल नर्सिंग के पेशे से समाज की सेवा की, बल्कि अपनी मृत्यु के बाद भी मानवता के लिए एक महान बलिदान दिया। पेशे से नर्स (स्वास्थ्य कार्यकर्ता) कुम कुम आर्या का जीवन निस्वार्थ सेवा का पर्याय रहा, उनके परिजनों ने बताया कि कुम कुम ने अपने जीवनकाल में जो भी कमाया, उसका उपयोग सदैव दूसरों की मदद करने में किया। वह ताउम्र अविवाहित रहीं और हमेशा दूसरों के सुख-दुख में काम आती रहीं।

सेवा की अन्तिम भेंट

परिजनों की उपस्थिति में यह कार्यक्रम शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट और मेडिकल कॉलिज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। देहदान के इस मौके पर पूरा परिवार भावुक था, लेकिन उन्हें गर्व भी था कि उनकी बुआ (डॉ. संजय मिक्की की बुआ) मृत्यु के बाद भी जीवन का पाठ पढ़ा गईं। इस दौरान डॉ. संजय मिक्की, नीमा मिक्की, गणेश बेनीवाल, उर्मिला, गौरव ज्योति, सत्यजीत, अविनाश, बाबूलाल समेत कई परिजन मौजूद रहे। सभी ने नम आँखों से कुम कुम आर्या को अंतिम विदाई दी, जिनका शरीर अब भावी डॉक्टरों के लिए अमूल्य शिक्षक बन गया है।

ट्रस्ट और कॉलिज ने जताया आभार

मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. मयंक शुक्ल और कार्यक्रम संयोजक व मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गजेंद्र सिंह ने कुम कुम आर्या और उनके परिवार के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया। एनाटॉमी विभागाध्यक्ष डॉ. मोनिका जायसवाल ने बताया कि यह देह छात्रों की पढ़ाई के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगी। इस दौरान शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक खुशाल चन्द्र साहू, अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह बुन्देला, कोषाध्यक्ष सुषमा साहू, मंत्री राम स्वरूप पटेल और देहदान प्रभारी अंकुर जैन, क्षेत्राधिकारी सदर अजय कुमार, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अनुराग अवस्थी सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। ट्रस्ट के महामन्त्री राजपाल सिंह फौजी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

जीवनदान का संकल्प, मौत के बाद सम्मान

कुम कुम आर्या ने अपनी मृत्यु से पहले ही देहदान का संकल्प ले लिया था, उनकी इच्छा थी कि उनका शरीर चिकित्सा विज्ञान की शिक्षा और अनुसंधान के काम आए। जब उनका निधन हुआ, तो उनके परिजनों ने उनके इस महान संकल्प का पूरे सम्मान के साथ पालन किया। शुक्रवार को शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट - ललितपुर के सहयोग से कुम कुम आर्या पुत्री गनपत आर्या निवासी रामनगर कांशीराम आवास कालोनीकी देह को मेडिकल कॉलिज के एनाटॉमी विभाग को दान कर दिया गया।

शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट, ललितपुर (उ.प्र.)
द्वारा
तृतीय देहदान महोत्सव

अधिकारी सच्चिदानन्द राय मौजूद रहे। ने रिजर्व पुलिस लाइन्स स्थित महिलाओं के संरक्षण अधिनियम हेल्पलाइन

ललितपुरः पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित करते अतिथिगण।

ख़ामोश विदाई : नर्स कुमकुम आर्या, जो जीवन भर सेवा करती रहीं, मृत्यु के बाद भी दे गईं जीवन का पाठ

- शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट और मेडिकल कॉलिज के संयुक्त तत्वावधान में हुआ देहदान कार्यक्रम

देहदानी नर्स कुमकुम की फाइल फोटो।

ललितपुर ब्यूरोः स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय (मेडिकल कॉलिज) को शुक्रवार को दूसरी बार मानव देह प्राप्त हुई, जिसने चिकित्सा शिक्षा के लिए एक नया अध्याय खोल दिया। यह देह दान करने वाली थीं 54 वर्षीय कुम कुम आर्या, जिन्होंने आजीवन अविवाहित रहकर न केवल नर्सिंग के पेशे से समाज की सेवा की, बल्कि अपनी मृत्यु के बाद भी मानवता के लिए एक महान बलिदान दिया। पेशे से नर्स (स्वास्थ्य कार्यकर्ता) कुम कुम आर्या का जीवन निस्वार्थ सेवा का पर्याय रहा, उनके परिजनों ने बताया कि कुम कुम ने अपने जीवनकाल में जो भी कमाया, उसका उपयोग सदैव दूसरों की मदद करने में किया। वह ताउम्र अविवाहित रहीं और हमेशा दूसरों के सुख-दुख में काम आती रहीं।

सेवा की अन्तिम भेंट

परिजनों की उपस्थिति में यह कार्यक्रम शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट और मेडिकल कॉलिज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। देहदान के इस मौके पर पूरा परिवार भावुक था, लेकिन उन्हें गर्व भी था कि उनकी बुआ (डॉ. संजय मिक्की की बुआ) मृत्यु के बाद भी जीवन का पाठ पढ़ा गईं। इस दौरान डॉ. संजय मिक्की, नीमा मिक्की, गणेश बेनीवाल, उर्मिला, गौरव ज्योति, सत्यजीत, अविनाश, बाबूलाल समेत कई परिजन मौजूद रहे। सभी ने नम आँखों से कुम कुम आर्या को अंतिम विदाई दी, जिनका शरीर अब भावी डॉक्टरों के लिए अमूल्य शिक्षक बन गया है।

ट्रस्ट और कॉलिज ने जताया आभार

मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. मयंक शुक्ल और कार्यक्रम संयोजक व मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गजेंद्र सिंह ने कुम कुम आर्या और उनके परिवार के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया। एनाटॉमी विभागाध्यक्ष डॉ. मोनिका जायसवाल ने बताया कि यह देह छात्रों की पढ़ाई के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगी। इस दौरान शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक खुशाल चन्द्र साहू, अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह बुन्देला, कोषाध्यक्ष सुषमा साध, मंत्री राम स्वरूप पटेल और देहदान प्रभारी अंकुर जैन, क्षेत्राधिकारी सदर अजय कुमार, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अनुराग अवस्थी सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। ट्रस्ट के महामन्त्री राजपाल सिंह फौजी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

जीवनदान का संकल्प, मौत के बाद सम्मान

कुम कुम आर्या ने अपनी मृत्यु से पहले ही देहदान का संकल्प ले लिया था, उनकी इच्छा थी कि उनका शरीर चिकित्सा विज्ञान की शिक्षा और अनुसंधान के काम आए। जब उनका निधन हुआ, तो उनके परिजनों ने उनके इस महान संकल्प का पूरे सम्मान के साथ पालन किया। शुक्रवार को शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट - ललितपुर के सहयोग से कुम कुम आर्या पुत्री गनपत आर्या निवासी रामनगर कांशीराम आवास कालोनीकी देह को मेडिकल कॉलिज के एनाटॉमी विभाग को दान कर दिया गया।

डीएमक
हुआ म
- बहुचर्चित
एलयूसीसी
थी सम्पत्ति

ललितपुर
न्यायालय ने
की गई एक
प्रसाद झाँ के
दिया है। न्या
अभियुक्त के
की है और इ
खरीदने का
प्रस्तुत नहीं क
जिलाधिका
को वाद संख
बनाम रवि ति
व अन्य) के
द्वारिका प्रसाद
झाँ (जो पेशे
में आवेदन प्रर
रिलीज करने
तर्क दिया वि
पूर्व का बना
पहला आपरा
हुआ। आका
मकान उनक
इसी भवन
है, जिसके
प्रभावित हो
ने सम्पति
और तर्क
गतिविधियों
हालांकि, न्

पुलिस

तालबेहट(ल
अपराधियों
अपर पुलिस
निरीक्षक म
बम्हौरीसर
अनुसार प
बताया गया
तमंचा 315
अपराधी है,
ललितपुर,
प्रभारी नर्थ
कौंस्टबल

स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय ललितपुर, उ0प्र0–284403

Autonomous State Medical College, Lalitpur Uttar Pradesh- 284403

Email:agmclalitpur@gmail.com www.asmclalitpur.org

पत्रांक–ए0एस0एम0सी0 / देहदान / प्रमाण–पत्र / 2025–26 / 1481 दिनांक– 25-10-25

प्रमाण–पत्र

प्रतिष्ठा में, स्व0 सुश्री कुमकुम आर्या आधार संख्या–9708 4802 6217 के मरणोपरान्त दिनांक–16 अक्टूबर 2025 को उनके परिवारिक सदस्य श्री संजय मिकी निवासी कांशीराम आवास कॉलौनी ललितपुर उत्तर प्रदेश के द्वारा **"शान्ति देहदान चेरिटैबल ट्रस्ट"** के माध्यम से उनका पार्थिव शरीर स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय ललितपुर के एनाटॉमी विभाग को दान कराया गया ।

स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय ललितपुर परिवार ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शान्ति की कामना करते हुये देहदान जैसे श्रेष्ठ दान के लिए कृतज्ञता प्रकट करता है।

विभागाध्यक्ष
एनाटॉमी विभाग
स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, ललितपुर।

प्रधानाचार्य
स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय
ललितपुर

PRINCIPAL
Autonomous State Medical College
Lalitpur